जनसम्पर्क कार्यालय : एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड, जबलपुर

समाचार

जबलपुर सहित प्रदेश के चार बड़े शहरों का बनेगा ट्रांसमिशन प्लान

प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री आई. सी. पी. केशरी द्वारा पावर मैनजमेंट, जनरेटिंग व ट्रांसमिशन कंपनी के कार्यों की समीक्षा

जबलपुर, 6 अप्रैल। मध्यप्रदेश शासन के प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री आई. सी. पी. केशरी ने आज बिजली कंपनियों के मुख्यालय शक्तिभवन में एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी, पावर जनरेटिंग और पावर ट्रांसमिशन कंपनी के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में तीनों कंपनियों के गत वित्तीय वर्ष 2017-18 की उपलब्धियों व चालू वित्तीय वर्ष 2018-19 के लक्ष्यों पर विशेष चर्चा की गई। श्री केशरी ने बैठक में निर्देश दिए कि पावर जनरेटिंग कंपनी के जल विद्युत गृहों का 15 जून तक व ताप विद्युत गृहों का वार्षिक रखरखाव 15 सितंबर तक पूर्ण कर लिया जाए। ट्रांसमिशन कंपनी को निर्देश दिए कि प्रदेश में ट्रांसमिशन कंपनी से संबंधित सभी कार्यों को रबी सीजन से पूर्व आवश्यक रूप से पूर्ण कर लिए जाएं। श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना के दूसरे चरण में क्रियाशील होने वाली विद्युत इकाईयों से संबद्ध ट्रांसमिशन कार्य जून 2018 तक क्रियान्वित हो जाए। समीक्षा बैठक में पावर मैनेजमेंट कंपनी के प्रबंध संचालक श्री संजय कुमार शुक्ल, पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध संचालक श्री पी. ए. आर. बेन्डे, पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक श्री अनूप कुमार नंदा, पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री विशेष गढ़पाले, प्रदेश शासन के ऊर्जा विभाग के विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी श्री पी. के. चतुर्वेदी, पावर मैनेजमेंट कंपनी के महाप्रबंधक श्री राजीव केसकर, ऊर्जा विभाग के उपसचिव श्री नीरज अग्रवाल, श्री एस. के. शर्मा, जनरेटिंग कंपनी के डायरेक्टर श्री ए. के. टेलर, श्री मंजीत सिंह सहित विद्युत कंपनियों के वरिष्ठ अभियंता उपस्थित थे।

चालू वित्तीय वर्ष में मांग के अनुसार बिजली की सप्लाई करने के व्यापक प्रबंध-पावर मैनेजमेंट कंपनी के प्रबंध संचालक श्री संजय कुमार शुक्ल ने बैठक में जानकारी दी कि प्रदेश में गत वित्तीय वर्ष में 67,886 मिलियन यूनिट बिजली की सप्लाई की गई, जो कि वित्तीय वर्ष 2016-17 में सप्लाई की 63,631 मिलियन यूनिट से सात प्रतिशत अधिक है। इस दौरान प्रदेश में एक दिन की अधिकतम मांग 12,240 मेगावाट दर्ज हुई, जो कि वित्तीय वर्ष 2016-17 में सप्लाई की गई 11,421 मेगावाट से सात प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि रबी सीजन सहित प्रदेश में चालू वित्तीय वर्ष में मांग के अनुसार बिजली की शतप्रतिशत सप्लाई करने के व्यापक प्रबंध हैं। प्रमुख सचिव श्री केशरी ने पावर मैनेजमेंट कंपनी द्वारा प्रदेश में बिजली की उपलब्धता बनाए रखने के प्रबंधन की सराहना की।

प्रदेश के चार बड़े शहरों का बनेगा ट्रांसमिशन प्लान-श्री केशरी ने बैठक में पावर ट्रांसमिशन कंपनी को निर्देश दिए कि प्रदेश के चार बड़े शहर इंदौर, जबलपुर, भोपाल व ग्वालियर का ट्रांसमिशन प्लान शीघ्र तैयार कर यहां मल्टी सर्किट व मोनो पोल का उपयोग किया जाए। बैठक में जानकारी दी गई कि चारों बड़े शहर में जीआईएस ईएचवी सब स्टेशन का निर्माण किया जाएगा। जबलपुर में विजय नगर और भोपाल में ई-8 में ऐसे सब स्टेशन का निर्माण कार्य प्रस्तावित है। पावर ट्रांसमिशन कंपनी की ओर जानकारी दी गई कि जबलपुर में 220 केवी गोरा बाजार सब स्टेशन के निर्माण कार्य प्रारंभ करने के लिए मार्च 2018 तक लीज रेंट रक्षा मंत्रालय को जमा करवा दिया गया। इस सब स्टेशन का लाइन का कार्य शुरू कर दिया गया।

कम क्षमता वाली ट्रांसमिशन लाइन हाई एम्पासिटी कंडक्टर में परिवर्तित होंगी-समीक्षा बैठक में श्री आई.सी. पी. केशरी ने निर्देश दिए कि जिन ट्रांसमिशन लाइन की क्षमता कम है, वहां अधिक क्षमता वाले हाई एम्पासिटी कंडक्टर का उपयोग कर लाइन की ट्रांसमिशन क्षमता में वृद्धि की जाए। प्रमुख सचिव ऊर्जा को जानकारी दी गई कि पावर ट्रांसमिशन कंपनी चालू वित्तीय वर्ष में पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में 6, पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में चार व मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र में दो सब स्टेशनों का निर्माण किया जाएगा। ये सभी 132 केवी के सब स्टेशन होंगे।

25 वर्ष पुराने पावर ट्रांसफार्मरों की रि-कंडीशनिंग होगी-प्रमुख सचिव श्री केशरी ने कहा कि 25 वर्ष पुराने क्रियाशील पावर ट्रांसफार्मरों को रि-कंडीशनिंग किया जाए। उन्होंने कहा कि इससे उनकी उपयोगिता में दस वर्ष की वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि रेलवे ट्रेक्शन सब स्टेशन के सभी कार्य निश्चित समय सीमा में शीघ्रता से पूर्ण किए जाएं। श्री केशरी ने प्रदेश में 765 केवी ट्रांसमिशन लाइन के निर्माण की संभावना खोजी जाए।

विद्युत गृहों को दिए गए लक्ष्य-पावर जनरेटिंग कंपनी के कार्यों व लक्ष्यों की समीक्षा करते हुए प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री केशरी ने रबी सीजन में 3500 से 4000 मेगावाट तक ताप विद्युत व 450 से 500 मेगावाट जल विद्युत उत्पादन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि वॉशड् व आयतित कोयले के माध्यम से सतत् ताप बिजली उत्पादन करने के प्रयास किए जाएं। प्रमुख सचिव ऊर्जा ने ताप विद्युम गृह के मुख्य अभियंताओं को निर्देश दिए कि वे स्वयं कोयले के भंडारण में पहल करें। ताप विद्युत गृहों को बैठक में चालू वित्तीय वर्ष में बिजली उत्पादन, प्लांट लोड फैक्टर, प्लांट अवेलेबिलिटी फैक्टर, विशिष्ट तेल, विशिष्ट कोयला खपत व ऑक्जलरी कंजम्पशन के लक्ष्य दिए गए।

समाचार क्रमांक: 167/2018

(राकेश पाठक)
वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी